पी.जी.डी.टी.

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पी.जी.डी.टी.) (संशोधित)

सत्रीय कार्य
2022–23

(जुलाई 2022 और जनवरी 2023 सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
पाठ्यक्रम 01 से 05 (एम.टी.टी-051 से 055)
सत्रीय कार्य 2022–2033
(जुलाई 2022 और जनवरी 2023 सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.टी.

प्रिय विद्यार्थियो,

जैसा कि 'अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम' (संशोधित) की 'कार्यक्रम दर्शिका' में आपको बताया गया है कि इस स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में पढ़ाई के साथ–साथ आपको कुछ सत्रीय कार्य भी करने हैं। इसके लिए पाँच पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आपको एक–एक सत्रीय कार्य करना होगा। ये सत्रीय कार्य आपकी आंतरिक परीक्षा है। अतः इन्हें ध्यानपूर्वक और पूरे परिश्रम के साथ करें। प्रत्येक पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य आप अपनी सुविधा के अनुसार अलग–अलग प्रस्तुत कर सकते हैं और एक साथ भी प्रस्तुत कर सकते हैं :

पाठ्यक्रम	प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि*	
	जुलाई 2022 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए	जनवरी 2023 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए
एम.टी.टी.–051 : अनुवाद : सिद्धांत और परंपरा	31.03.2023	30.09.2023
एम.टी.टी.–052 : अनुवाद : प्रक्रिया और प्रविधि	31.03.2023	30.09.2023
एम.टी.टी.–053 : अनुवाद : भाषिक और सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ	31.03.2023	30.09.2023
एम.टी.टी–054 : प्रशासनिक एवं वाणिज्यिक अनुवाद	31.03.2023	30.09.2023
एम.टी.टी.–055 : अनुवाद : साहित्य और जनसंचार	31.03.2023	30.09.2023

***नोट : कृपया सभी सत्रीय कार्य प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि से पूर्व अथवा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि अवश्य भेज दें। ध्यान दें कि सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है। सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए आप इग्नू वेबसाइट देखिए। आपको सलाह दी जाती है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि के पहले ही भेज दें।**

उद्देश्य : प्रस्तुत कार्यक्रम के अंतर्गत आपको अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि, अनुवाद के सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों, उसकी प्रक्रिया तथा बारीकियों की जानकारी देते हुए, विविध क्षेत्रों में अनुवाद का अभ्यास कराया गया है। सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और उसे कहाँ तक व्यवहार में ला सकते हैं। यानी आपको इस योग्य बनाना है कि अध्ययन के दौरान जो जानकारी आपको प्राप्त हुई है उसे अपने शब्दों में विधिवत प्रस्तुत कर सकें और अनुवाद कार्य में उसे व्यवहार में लाते हुए अच्छा अनुवाद कर सकें।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें

1) उत्तर के लिए फुलस्केप कागज का ही इस्तेमाल करें।

2) प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए अलग उत्तर–पुस्तिका बनाएँ। इस तरह आपके चार सत्रीय कार्यों के लिए चार उत्तर–पुस्तिकाएँ होनी चाहिए।

3) अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाहिने कोने के सबसे ऊपर अपना नामांकन संख्या, पूरा पता लिखें तथा तिथि सहित हस्ताक्षर करें।

4) अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम का कोड, उसका शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड तथा अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखें।

आपका सत्रीय कार्य इस प्रकार आरंभ होना चाहिए :

कार्यक्रम का शीर्षक : ....

नामांकन संख्या : ....

नाम : ....

पता : ....

....

पाठ्यक्रम कोड :...

पाठ्यक्रम का शीर्षक : ....

सत्रीय कार्य कोड : ....

अध्ययन केंद्र का नामः ....

हस्ताक्षर :...

तिथि : ....

---

5) पाठ्यक्रम के कोड तथा सत्रीय कार्य के कोड सत्रीय कार्य पर मुद्रित होते हैं और वहाँ से देखकर लिखे जा सकते हैं। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

6) अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर लिखें और उन्हें अच्छी तरह नत्थी कर दें। बहुत पतले कागज पर न लिखें। बाईं ओर 4 से.मी. का हाशिया छोड़ दें। एक उत्तर और दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें। ऐसा करने से परीक्षक उचित स्थान पर अपनी टिप्पणी दे पाएँगे।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में आपसे तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में, और लघु निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर 200–250 शब्दों में देने हैं। व्यावहारिक अनुवाद संबंधी प्रश्नों के उत्तर समुचित कोश का उपयोग करते हुए प्रसंग और संदर्भानुसार देने हैं।

- प्रत्येक सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें। सत्रीय कार्य जिन इकाइयों पर आधारित हैं उन्हें पढ़ लें। प्रश्न के संबंध में महत्त्वपूर्ण बातों को नोट कर लें, फिर उनको व्यवस्थित करके अपने उत्तर की रूपरेखा बनाएँ।

- जब आपको विश्वास हो जाए कि जो उत्तर आप देने जा रहे हैं संतोषजनक है, तब उन्हें साफ–साफ लिखें और जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दें।

- अनुवाद के व्यावहारिक प्रश्नों को करते समय 'कोश' का भरपूर प्रयोग करें। विषय एवं संदर्भ का विशेष ध्यान रखें। हिंदी और अंग्रेजी के कथनों की तुलना करें। यह देखें कि अनुवाद से वही अर्थ निकल रहा है जो मूल सामग्री से निकलता है। यह भी सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद लक्ष्य भाषा की उपयुक्त शैली के अनुरूप है, स्रोत भाषा की छाया मात्र नहीं। अनुवाद में मूल लेखन की–सी सहजता लाने के लिए अपनी कल्पनाशीलता और लेखन–क्षमता का उपयोग करें।

- निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना संक्षेप में होनी चाहिए। इसमें यह बताएँ कि प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या लिखने जा रहे हैं। निष्कर्ष में आपके उत्तर का सार होना चाहिए। उत्तर सुसंगत और सुसंबद्ध हों। वाक्यों और अनुच्छेदों में परस्पर तालमेल होना चाहिए। उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्न से संबद्ध होना चाहिए। यह देख लें कि आपने प्रश्न में निहित सभी मुख्य बातों के उत्तर शामिल किए हैं।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपके उत्तर तार्किक और सुसंगत हों,

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हों,

ग) उत्तर सही ढंग से लिखे गए हों तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति उत्तर के पूर्णतया अनुरूप हों,

घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबे न हों, और

ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

च) उत्तर अपने हाथ से लिखें। इसे मुद्रित या टाइप न करें। अपने उत्तर को विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों से नकल न करें। यदि आप ऐसा करते हैं तो आपको कम अंक मिलेंगे।

छ) अन्य विद्यार्थियों के उत्तरों से नकल न करें, यदि यह पाया जाता है कि आपने नकल की है तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

ज) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें।

झ) प्रत्येक उत्तर के साथ उसके प्रश्न की संख्या लिखें।

ञ) सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे अध्ययन केंद्र के पास भेज दें। अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य की उत्तर–पुस्तिका को किसी भी स्थिति में **मुख्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को मूल्यांकन के लिए न भेजें।**

ट) अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य को प्रस्तुत करते समय निर्धारित प्रेषण एवं पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र से (सत्रीय कार्य प्राप्त किए) प्राप्ति दर्ज करा लें।

ठ) यदि आपने क्षेत्र को बदलने के संबंध में निवेदन किया है तो आप अपने सत्रीय कार्यों को अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें जब तक विश्वविद्यालय की ओर से आपको क्षेत्रीय केंद्र बदलने की सूचना नहीं भेज दी जाती।

शुभकामनाओं के साथ,

एम.टी.टी.–051
अनुवाद : सिद्धांत और परंपरा
सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–051
सत्रीय कार्य कोड : एम.टी.टी.–051/टीएमए/2022–23
अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500–500 शब्दों में दीजिए :

1. अनुवाद के अर्थ एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 10

2. 'अनुवाद दो भाषाओं और संस्कृतियों के बीच सेतु के रूप में कार्य करता है।' – इस कथन की व्याख्या कीजिए। 10

3. अनुवाद कर्म के दौरान भाषिक एवं सांस्कृतिक स्तर की चुनौतियों की सोदाहरण चर्चा कीजिए। 10

4. अननुवाद्यता से आप क्या समझते हैं? साहित्यानुवाद के संदर्भ में इसका विवेचन कीजिए। 10

5. नवलेखन के रूप में अनुवाद की अवधारणा और आयामों पर प्रकाश डालिए। 10

6. अनुवाद की भारतीय परंपरा के बारे में आप क्या जानते हैं? स्पष्ट कीजिए। 10

7. अनुवाद के प्राचीन पाश्चात्य सिद्धांतों की चर्चा कीजिए। 10

8. उत्तर आधुनिक पाश्चात्य अनुवाद सिद्धांत की विशेषताओं का आकलन कीजिए। 10

9. ज्ञानानुशासन के रूप में अनुवाद की विकासयात्रा पर प्रकाश डालिए। 10

10. निम्नलिखित विषयों पर लगभग 250–250 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : 5x2=10

    क) अनुवाद में सांस्कृतिक मोड़
    ख) भूमंडलीकरण और अनुवाद

*****

एम.टी.टी.–052
अनुवाद : प्रक्रिया और प्रविधि
सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–052
सत्रीय कार्य कोड : एम.टी.टी.–052/टीएमए/2022–23
अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खंड–1

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500–500 शब्दों में दीजिए :

1. अनुवाद प्रक्रिया में भाषा और विषय–वस्तु के स्तर पर 'विश्लेषण एवं अर्थ–ग्रहण' के विविध आयामों का सोदाहरण चर्चा कीजिए। 10

2. अनुवाद के विविध क्षेत्रों का विस्तार से वर्णन कीजिए। 10

3. आशु अनुवाद क्या है? आशु अनुवाद और सामान्य अनुवाद में समानताओं और अंतर पर प्रकाश डालिए। 10

4. निम्नलिखित विषयों पर लगभग 250–250 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : 5x2=10
   क) अनुवाद में कोशों की उपयोगिता और सीमाएँ
   ख) मशीनी अनुवाद की चुनौतियाँ

5. कम से कम पाँच महत्वपूर्ण कोशों के नाम बताइए। 5

6. निम्नलिखित हिंदी शब्दों को हिंदी वर्णक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए : 5

   स्वप्न, सारिका, संवेदनशील, समुद्र, सिद्धांत, सृजन, सुंदर, सीवान, संस्कृति, स्वाभाविक, सीलन, समुदाय, संप्रेषण, सौंदर्य, संदर्भ

7. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों को वर्णक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए : 5
   wrangler, watch, weitch, wrist, womb, wrestler, wrong, worth, work, whimsical, window, worldly, western, wobble, warship

8. निम्नलिखित शब्दों का रोमन/देवनागरी में लिप्यंतरण कीजिए : 5

लक्ष्मीकांत	commonwealth
रावतभाटा	psychiartrist
बाणभट्ट	chromatology
ज्ञानमूर्ति	djokovic
ब्राह्मण	apprehension

9. पाठ्यक्रम में पारिभाषिक शब्दावली संबंधी किए गए अध्ययन के आलोक में पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की निम्नलिखित तकनीकों/युक्तियों के आधार पर निर्मित बीस पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय लिखिए :

क) हिंदी में अंगीकृत पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय

ख) हिंदी में अनुकूलित पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय

ग) हिंदी में नव–निर्मित पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय

घ) हिंदी में अनूदित पाँच पारिभाषिक शब्द और उनके अंग्रेजी पर्याय 20

10. निम्नलिखित सामग्री का हिंदी में सारानुवाद कीजिए : 10

After Independence, India adopted its Constitution on November 26, 1949 that laid the foundation of independent India. The juncture of India's Independence was an extremely challenging moment. A nation had just been formed after a painful separation of one part of the erstwhile unified territory. The challenges came from multiple directions. On the one hand was a newly formed nation with myriad of problems like poverty, large scale illiteracy and the agonising suffering of a long colonial rule. But on the other hand was the aspiration of the new Indian polity, the deep desire to take the newly formed nation to great heights.

Our great leaders who steered us through the struggle of had foresight of what our polity should be. The Constitution was expected to shape a nation, nurture a society and guide future generations for times to come. The Drafting Committee of the Constitution held 141 meetings over a period of 2 years 11 months and 17 days, and gave us the basic draft comprising a Preamble, 395 Articles and 8 Schedules. This was indeed the fetus from which the polity of our great nation was born. Since its adoption, the Constitution of the country has stood firmly to maintain the unity and integrity of the nation and at the same time has shown flexibility to ensure the much required socio-economic transformation. Several amendments have also been made in the Constitution according to the times.

Today, Indian democracy not only stands strong in the face of many challenges time throws in its way, but has also carved out a unique identity for itself at the global level – credit for which goes to the strong structure and institutional set up provided by our Constitution. The Constitution of India provides for socio-economic and political democracy. It underlines the commitment of the people of India to achieve various national goals with a peaceful and democratic approach.

As a matter of fact, our Constitution is not just a legal document, but it is an important instrument that protects the freedom of all sections of society and provides every citizen the right of equality without discriminating on the basis of caste, creed, sex, region, sect or language and ensures that nation remains on the path of progress and prosperity. Even with a large number of voters and an ongoing continual election process, our democracy has never fallen prey to instability; instead the successful conduct of elections proves that our democracy has withstood the test of time. During this democratic journey spread over seven decades, 17 Lok Sabha and more than 300 state assembly elections have taken place in the country. Indian democracy has demonstrated to the world, how political power can be transferred in a peaceful manner.

The separation of powers among the state components has been well defined in Indian Constitution. The domains of the three organs of the state namely legislature, executive and Judiciary have their own distinct and independent identity and they are sovereign in their respective sphere.

The Constitution of India lays special emphasis on the interests of citizens and the provisions of fundamental rights, as enshrined from Article 12 to Article 35 in Part Ill of the Constitution, are a major evidence of this. These provisions ensure that all the citizens of India are treated equally thus work as a unifying force. Today, our Constitution guarantees six fundamental rights: right to equality, right to freedom, right against exploitation, right to freedom of religion, cultural and educational rights, and right to constitutional remedies.

Our Constitution along with the fundamental rights also imposes a number of fundamental duties on its citizens. Citizens should also adhere to certain basic norms of democratic conduct and behavior, as rights and duties go hand in hand. We have our rights and they will always remain with us, but if we as citizens are able to adhere to our duties and act accordingly, this century will certainly be the century of India.

11. नीचे दिए गए अंग्रेजी पाठ और उसके हिंदी अनुवाद को सावधानी से पढ़िए और अनूदित पाठ का पुनरीक्षण कीजिएः 10

मूल :

Appreciate your child's uniqueness :
Each child is unique. I can see this in my own tow kids. My daughter loves to be outdoors, she is an introvert and is sensitvie. She loves to paint and dance. On the other hand, my son is outgoing and social, and he loves cooking. Storytelling helps to put my daughter to bed but it only ends up making my son more excited and continue playing. Everyone keeps quiet so that he can settle down and go to sleep. So, when my son was born, it was altogether a new learning experience. I realized that you couldn't have a twenty-point manual on parenting to help you to be the ideal parent. We all learn from our mistakes.

Take time off for yourself :
Being always closeted with the kids, with no time for yourself, will leave you frustrated and this will show in your interactions with them. Take time off for yourself and never feel guilty about it. Find ways to spend the time depending on your situation – work, study, exercise, meet friends. choose what gives you joy, not something that adds to the stress. Get as much help and support as possible from family and friends.

हिंदी अनुवाद :

अपने बच्चे के अलगपन का आदर करो : हर बच्चा पृथक–पृथक होता है। यह मैं अपने बच्चों में देखती हूँ। मेरी लड़की समय गृह से बाहर व्यतीत करने की इच्छुक रहती करती है। वह अंदर की ओर तथा और संवेदन वाली है। उसकी चित्रकला और नृत्य में अभिरूचि है। वहीं, मेरे लडके को समाज से मिलना–जुलना अधिक सुंदर लगता है और खाना पकाना काफी पसंद है। जब मैं कोई कहानी कहती हूँ तो उसे सुनते हुए मेरी लड़की निद्रा हेतु चली जाती है, किंतु मेरा लडका और उत्तेजित हो जाता है खेलने लगता है। फिर हम सब बंद कर देते है बोलना और वह सोने चला जाए। जब मेरे लडका का जन्म हुआ तब वह अपने साथ मेरे लिए कई नई चीज़ें सीखने का मौका लेकर आया। मुझे यह समझ में आ गया कि तुम्हें आदर्श माता बनाने के लिए बीस प्वाइंट वाला प्रतिवेदन तैयार नहीं किया जा सकता। हम सब अपनी गलतियों से अभिगम करते हैं।

खुद के लिए समय रखो : सदैव अपने बच्चों के साथ ही हमेशा समय बिताने और स्वयं के लिए समय बिल्कुल न निकालने से बहुत परेशान हो जाएगी आप और बच्चों के साथ यह आपके व्यवहार को दूषित करेगा भी। कुछ समय अपने लिए निकालें और ऐसा करने पर

अपराधबोध नपालें। इस समय का क्या–क्या उपयोग हो यह आपकी परिस्थिति पर खड़ा होता है। आप इस दौरान कोई काम कर सकती हैं, पढ सकते है, मेहनत कर सकते हैं या मित्रों से मिल सकती हैं। कोई ऐसा काम चुनो जो आपको खुशी दे, न सिर्फ ऐसा जो आपके अवशाद को बढ़ा दे। परिवारजनों वालों और मित्रों से जितनी संभव हो उतनी मदद और सहयोग लो।

*****

एम.टी.टी.–053
अनुवाद : भाषिक और सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ
सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–053
सत्रीय कार्य कोड : एम.टी.टी.–053/टीएमए/2022–23
अधिकतम अंक : 100

---

1. व्यतिरेकी विश्लेषण की अवधारणा और स्वरूप की विस्तृत चर्चा कीजिए। 10

2. अनुवाद के सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ से आपका क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए। 10

3. राष्ट्रीय–सामाजिक भूमिका में अनुवाद के महत्व को रेखांकित कीजिए। 10

4. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के हिंदी/अंग्रेजी पर्याय लिखिए : 10

   acoustic, medical examination, scarlet fever, antimode, amendment, जमा पत्र, संचिका, प्रतिनियुक्ति, दोषमुक्ति, एकालिक

5. नीचे दिए गए प्रश्न–पत्र का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10

QUESTION PAPER : HISTORY
ANCIENT AND MEDIEVAL SOCIETIES

Time : 3 hours Maximum Marks : 100

Note: Answer any five questions in about 500 words each. Attempt at least two questions from each section. All questions carry equal marks.

SECTION–I

1. Examine the main features of the institution of slavery in ancient Greece. 20
2. Write a brief note on the essential features of Inca Civilization. 20
3. Write a note on the growth of pastoral nomadism. 20
4. Trace the process of urbanization in the Bronze age Civilizations. 20
5. Write short notes on **any two** of the following in about 250 words each : 10+10
   (a) Role of Language in human development
   (b) The Pyramids
   (c) Christianity in the Roman Empire
   (d) Mangol Empires

SECTION–II

6. Write an essay on new advances and developments in the field of science and technology in medieval Europe. 20
7. How did technological development change the warfare in medieval period? 20
8. Critically examine the term ‘feudal revolution’. 20
9. Discuss the process of Portuguese consolidation in India Ocean and its impact on Indian Overseas trade. 20
10. Write short notes on **any two** of the following in about 250 words each : 10+10
   (a) Manors
   (b) Armenian merchants
   (c) Development of Printing
   (d) Calvinism

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक उपसर्ग का प्रयोग करते हुए चार–चार शब्द बनाइए। 5
अति–, अ–, अनु–, उप–, कु–

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रत्यय का प्रयोग करते हुए चार–चार शब्द बनाइए। 5
–आलू, –हार, –ता, –आई, –आन

8. निम्नलिखित का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10x2=20

A) Indian literature of the twentieth century is a memorable record of the triumph and tragedy of the Indian people involved in the most significant engagement in their history – the struggle for Independence and the challenges that followed the achievement of that goal. Never before the Indian writer was so anxious about the political fate of her/his country and so involved was she/he in the ideologies governing its polity, and even challenging the validity of his perceptions of art and history and his vision of India. Indian literatures written in different languages began to negotiate with the changes in the literary community since the beginning of the nineteenth century that witnessed the introduction of the printing press, the riseof a new middle class under a new educational dispensation, and the slow decline of the traditional patronage system. All these resulted in a split within the community of the audience-reader of the pre-printing days, between the vast section of the illiterates totally denied of the new education and the small group of English-educated middle class.

B) Andhra Pradesh is located on the southeast coast of India near the Bay of Bengal. It is the tenth largest State in terms of population and the eighth largest in terms of area. It shares borders with the States of Chhattisgarh, Karnataka, Odisha, Tamil Nadu, Telangana and the Union Territory of puducherry (Yanam). Major rivers of South India such as Godavari, Krishna and Tungabhadra flow through Andhra Pradesh. The coastline is about 1,000 kms along the Coromandel Coast. The Eastern Ghats including the Nallamala range of forests are the other major geographical features. The early history of Andhra is generally traced to the times of the Mauryan emperor, Ashoka. The chronicles of Megasthenese, the famous Greek traveler during the Mauryan era, reveal the richness of Andhra culture. The Satavahana dynasty ruled Andhra for a long time. Gautamiputra Satakarni was the greatest ruler of the Satavahana Empire in the 2nd century CE. Buddhism flourished during this period. Subsequently, different regions of the present-day Andhra Pradesh were ruled by the Eastern Chalukyas, Kakatiyas, Bahmanis, Vijayanagar Kings, Qutb Shahis, the Mughals, Asaf Jahis and the British.

9. निम्नलिखित का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10x2=20

क) विभिन्न भाषा–भाषी जनसमूह के बीच अंतःसंप्रेषण की प्रक्रिया के रूप में अनादिकाल से अनुवाद का विशिष्ट योगदान रहा है। भारत जैसे बहुभाषी राष्ट्र में, जहाँ हर कोस पर भाषा में कुछ परिवर्तन आ जाता है, अनुवाद का महत्व स्वयंसिद्ध है। यद्यपि यूरोपीय देशों में प्राचीनकाल से ही अनुवाद के कुछ सामान्य सिद्धांतों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है, किंतु भारत में अनुवाद सिद्धांत के निर्माण की प्रक्रिया कुछ भिन्न है। प्राचीनकाल में भारत में संभवतः अनुवाद को मौलिक लेखन से अभिन्न या समकक्ष मान लेने के कारण अनुवाद के सिद्धांतों का विशेष विकास नहीं हो पाया। लेकिन इसका अभिप्राय यह नहीं कि प्राचीन समय में भारत में अनुवाद कार्य हुआ ही नहीं। लगभग सभी भारतीय भाषाओं में अनुवाद कार्य पर्याप्त मात्रा में हो रहा था, किंतु अनुवाद सिद्धांत के चिंतन की कोई परंपरा इस युग में दिखाई नहीं दे रही थी। आधुनिक

युग में जिस प्रकार अनुवाद कार्य तथा अनुवाद सिद्धांत के निर्माण का कार्य जोर ले रहा है, वह रूप हमें प्राचीनकाल में नहीं दिखाई पड़ता। चूँकि अनुवाद सिद्धांत का कोई रूप हमें परंपरा से प्राप्त नहीं हुआ है, इसलिए हम कुछ विद्वानों की कृतियों तथा अनुवाद कार्य को केंद्र में रखकर ही प्राचीन भारतीय अनुवाद सिद्धांतों को ढूँढने का प्रयास करने का आधार लेकर चलना ही उपयुक्त लगता है।

ख) विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के संविधान को 22 जुलाई, 1946 को स्वीकार किया गया और यह 7 अप्रैल, 1948 से लागू हो गया। 15 नवंबर, 1947 को विश्व स्वास्थ्य संगठन संयुक्त राष्ट्र का विशिष्ट अभिकरण बन गया। डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा जन–स्वास्थ्य के अंतरराष्ट्रीय कार्यालय के कार्यों तथा संयुक्त राष्ट्र राहत एवं पुनर्वास प्रशासन (यू.एन.आर.आर.ए) की गतिविधियों को भी हाथ में ले लिया गया। डब्ल्यू.एच.ओ. का लक्ष्य सभी लोगों के लिए स्वास्थ्य के उच्चतम संभव स्तर की प्राप्ति में सहायता प्रदान करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन को सर्वाधिक सफल संयुक्त राष्ट्र अभिकरणों में से एक माना जाता है। यह अंतरिम स्वास्थ्य कार्यों से संबंधित समन्वयकारी प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है तथा स्वास्थ्य मामलों में सक्रिय सहयोग को प्रोत्साहित करता है। इसके कार्यक्रमों में स्वास्थ्य सेवाओं का विकास, रोग निवारण और नियंत्रण, पर्यावरणीय स्वास्थ्य का संवर्धन, स्वस्थ मानव शक्ति विकास तथा जैव–चिकित्सा, स्वास्थ्य सेवाओं, शोध तथा स्वास्थ्य कार्यक्रमों का विकास एवं प्रोत्साहन शामिल है। डब्ल्यू.एच.ओ. सदस्य देशों को उन स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में सहयोग प्रदान करता है, जिनका लक्ष्य सभी के लिए स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करना, मातृ एवं बाल स्वास्थ्य को सवंर्धित करना, परिवार नियोजन, पोषण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, स्वच्छ जलापूर्ति और सफाई व्यवस्था, संक्रामक रोगों की रोकथाम, दवाओं तथा टीकों का उत्पादन एवं गुणवत्ता नियंत्रण तथा शोध प्रोत्साहन इत्यादि होता है। संगठन, स्वास्थ्य आँकड़ों के संग्रहण, विश्लेषण एवं वितरण में भी सहयोग करता है तथा रोग लक्षणों, बीमारियों एवं उपचारों के संबंध में तुलनात्मक अध्ययनों को भी प्रायोजित करता है।

*****

एम.टी.टी.–054
प्रशासनिक एवं वाणिज्यिक अनुवाद
सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–054
सत्रीय कार्य कोड : एम.टी.टी.–054/टीएमए/2022–23
अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्रशासनिक अनुवाद संबंधी सामान्य भूलों और उनके संभावित समाधानों की उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए। 10

2. 'प्रशासनिक शब्दावली और अभिव्यक्तियाँ' विषय पर एक निबंध लिखिए। 10

3. विधि की भाषा की विशिष्टता को उद्घाटित करने वाले अभिलक्षणों का सोदाहरण वर्णन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित विषयों पर लगभग 250–250 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : 5x2=10
   क) वाणिज्यिक साहित्य के अनुवाद की चुनौतियाँ
   ख) बैंको में हिंदी प्रयोग और अनुवाद की आवश्यकता

5. निम्नलिखित शब्दों के हिंदी पर्याय बताइए : 10

   taxpayer identification number, brain drain, corrective measures, energy efficiency standard, triennial, government affairs, articles of association, goods and services tax, income and expenditure account, literacy drive, preliminary report, raw product, running commentary, superannuation, service matter, token pay, unearned income, verified copy, waste prevention, written communication

6. निम्नलिखित अभिव्यक्तियों के हिंदी पर्याय लिखिए : 10
   1. may please furnish the requisite information
   2. reasons for delay be explained
   3. final settlement of accounts
   4. approved as per remarks in the margin
   5. clearance of outstanding cases of pension
   6. concurrence of the finance branch is necessary
   7. against public interest
   8. date and time of receipt
   9. deductions from gross salary
   10. ex-post facto sanction

7. निम्नलिखित का हिंदी में अनुवाद कीजिएः 10X3=30

(A)

GOVERNMENT OF PUNJAB
National Health Mission
Department of Health and Family Welfare, Punjab
Prayas Building, 5th Floor, Sector 38-B, Chandigarh

GENERAL NOTICE INVITING QUOTATIONS
For COVID CARE KIT required for management of COVID-19
Ref No. Tender/Proc-Cov/2020/NHM-8

The National Health Mission-Punjab, Department of Health and Family Welfare, Government of Punjab hereby invites sealed quotations for COVID CARE KIT required for management of COVID-19.

Details of requirements and terms and conditions are available on the website of the NHM, Punjab www.nhm.punjab.gov.in. Sealed quotations clearly mentioning items for which quotations are being submitted must reach the office of Mission director, NHM-Punjab, Room No. 8, Prayas Building 5th Floor, Sector-38-B, Chandigarh by 11th September 2020 (Friday) till 4:00 pm. Only those quotations which are received in the office by above specified date and time will be considered and opened by the Committee of the NHM on same day 4:30 pm at NHM Office.

Quotations received late or through e-mail etc. will not be entertained and will be rejected straightaway.

For further details please visit www.nhm.punjab.gov.in

(B)

INDIAN NATIONAL SCIENCE ACADEMY
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002
www.insaindia.org

DEPUTATION OF INDIAN SCIENTISTS ABROAD UNDER BILATERAL EXCHANGE PROGRAMME

Applications are invited from outstanding scientists/ researchers holding Ph.D degree and having regular positions in recognised S&T institutions/universities and actively engaged in research in frontline areas for deputation abroad during the Calendar year…… in all fields of Science including Engineering, Medicine & Agriculture for short term visits (2-4 weeks for senior scientists) and long term visits (3 months for junior/younger scientists) under the Scientific Bilateral Exchange Pregramme with overseas Academies/Organisations in Austria, Czech Republic, France, Germany, Hungary, Iran, Kenya, Kyrghyz Republic, Mauritius, Morocco, Nepal, Philippines, Poland, Russia, Scotland, Slovak Republic, Republic of Slovenia, Sri Lanka and Turkey.

In addition, the Academy also invites Research Project Proposals from Indian Scientists formulated jointly with the Japanese scientists under INSA-JSPS collaborative Research Programme. The visits of Indian and Japanese scientists could be exchanged within this programme. Research proposals for the financial year…… which may last for three years in all areas of Natural Sciences including Engineering, Medicine & Agricultural Sciences may be submitted to the Academy.

The detailed guidelines and application form may be downloaded from www.insaindia.org. The application duly completed and endorsed by the Head of the Institutions should be submitted latest by …….. to The Assistant Executive Secretary (International), Indian National Science Academy, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi 110002.

(D)

ANNEXURE IV (For Form-6)

DECLARATION BY STUDENTS LIVING IN HOSTELS/MESSES/ELSEWHERE
(TO BE ATTACHED WITH FORM 6)

SPACE FOR PASTING ONE RECENT PASSPORT SIZE COLOUR PHOTOGRAPH (3.5 CM × 3.5 CM) SHOWING FRONTAL VIEW OF FULL FACE WITHIN THIS BOX

I, ... (NAME IN BLOCK LETTERS),
: son/daughter of..
....
address of native place), hereby declare that :—

(a) I am a bonifide student of ....(name of the institution) and pursuing ....(details of the course) from .... (month)...(year) to.......................................(month)...............................(year)

*(b) I am presently residing at –

(i) ....(if residing in hostel/mess, mention Room No./Block No./Block Name, etc. of the hostel/mess).

OR

* (ii) .... (if residing elsewhere outside the hostel/mess, mention complete postal address of the place of stay outside the hostel/mess).

(c) * I want to be registered in the electoral roll/retain my registration in the electoral roll of my native place at my above-mentioned residential address with my parents/guardian.

OR

*I want to be registered in the electoral roll of the constituency where I am presently residing.

II. I am aware that registration in the electoral roll of more than one constituency or more than once in a constituency is not permitted under the election law and am also aware of the penal provisions of Sec. 31 of the R.P. Act, 1950, which reads as follows :–

"If any person makes in connection with (a) the preparation, revision or correction of an electoral roll, or (b) the inclusion or exclusion of any entry in or from an electoral roll, a statement or declaration in writing which is false and which he either knows or believes to be false or does not believe to be true, ***he shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to one year, or with fine, or with both.***

Place : **(signature of the student)**
Date :

It is certified that the information given in the declaration at (a) above and the photograph have been verified from the records of the institution and are found to be correct.

Place:
Date :

Signature and seal of the
Head Master/Principal/Registrar/Director/Dean

8. निम्नलिखित का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 10

किसी भी देश की सेहत की तस्वीर का अंदाजा इससे लगाया जाता है कि वहाँ शिशुओं और छोटे बच्चों की मृत्यु दर क्या है। इस लिहाज से देखें तो आजादी के बाद से ही भारत में पाँच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर का आँकड़ा इतना चिंताजनक बना रहा है कि कई बार इसका सीधा असर भविष्य पर पड़ने के आकलन के रूप में सामने आने लगे। राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में सुधार को लेकर सरकारों की ओर से किए जाने वाले तमाम दावों के बावजूद यही स्थिति लगातार बनी रही। लेकिन पिछले तीन दशकों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के मोर्चे पर किए जाने वाले कामों का सकारात्मक नतीजा सामने आया है और अब बच्चों या फिर शिशुओं की मृत्यु दर के मामले में हालत काफी सुधरी है। संयुक्त राष्ट्र की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में बाल मृत्यु दर में 1990 से 2019 के बीच काफी कमी आई है। 'बाल मृत्यु दर के स्तर एवं रुझान रिपोर्ट – 2020' में बताया गया है कि 1990 में पाँच साल से

कम आयु के बच्चों की मौत की संख्या जहाँ लगभग सवा लाख थी, वहीं 2019 में यह कम होकर बावन हजार रह गई।

निश्चित तौर पर बाल मृत्यु दर में इतने सुधार के लिए करीब तीन दशक लगना एक लंबी अवधि है, लेकिन यह भी देखना होगा कि हमारे देश के व्यापक दायरे और दूरदराज के वैसे इलाकों में भी एक बड़ी आबादी रहती है, जहाँ तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुँच अपेक्षाकृत काफी मुश्किल रही है। फिर भी, जिन सीमित संसाधनों के तहत देश के स्वास्थ्य तंत्र में सुधार लाया गया और आबादी के ज्यादातर हिस्से की पहुँच बनाई गई, उसका सीधा असर लोगों की जीवन में सेहत की स्थितियों पर पड़ा। गौरतलब है कि हाल के वर्षों तक दुनिया–भर में पाँच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर के मामले में भारत सबसे खराब स्थिति में था। यहाँ बच्चों की मृत्यु दर पूरी दुनिया के मुकाबले काफी ज्यादा थी। लेकिन इन दशकों के दौरान बचपन की सेहत को लेकर चलाए गए जागरूकता अभियानों से एक बड़ा बदलाव यह आया कि बेहद मामूली रोगों की चपेट में आकर जहाँ किसी शिशु या बच्चे की जान चली जाती थी, अब स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के चलते उनके जिंदा बच जाने की गुंजाइश बढ़ी है।

*****

एम.टी.टी.–055
अनुवाद : साहित्य और जनसंचार
सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : पी.जी.डी.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–055
सत्रीय कार्य कोड : एम.टी.टी.–055/टीएमए/2022–23
अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. साहित्य के अर्थ और स्वरूप की विस्तृत चर्चा कीजिए। 10

2. कविता के अनुवाद में किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? सोदाहरण वर्णन कीजिए। 10

3. 'संचार' और 'जनसंचार' से क्या अभिप्राय है? जनसंचार और पत्रकारिता में अंतर्संबंध स्पष्ट कीजिए। 10

4. विज्ञापन क्या है? विज्ञापनों के अनुवाद की चुनौतियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10

5. निम्नलिखित गद्यांशों का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 15x2=30

क) It is not that in our family a forecast based on a horoscope is not done. In fact it is a practice rigidly adhered to, the fact that I too had a horoscope made in accordance with my zodiac sign at the time of my birth has always been done by my father with a marked certainty. Such a horoscope prepared for me has safely been kept away together with those of my brothers and sisters, with great care, in a bundle. About this fact too, there is no doubt for I have myself seen that bundle. On the other hand though, my brothers and I have longed eagerly with all our boyish Impatience to open the bundle and examine its contents with all our curiosity, we dared not do so, for our revered father has cautioned us against such impropriety. Our fear and respect for our father forbade us from daring to affront the code of conduct within our homestead. In fact we maintained a distance from our father and never dared to approach him on our own. We held him in high regard and feared to be disobedient. If he forbade us to be disobedient regarding certain matters we never went against his will.

ख) India's Genetically Modified (GM) crops regulator, Genetic Engineering Appraisal Committee (GEAC), recently approved the environmental release of GM mustard for seed production and testing. If things go well, commercial use of mustard seeds should fructify in two years. It's a much delayed and hugely positive development. Mustard, if the trials work, will be only the second GM crop in commercial production after Bt-cotton. GEAC had cleared GM mustard in 2017 but Government of India (GoI) asked for more studies. There are a couple of reasons why GM mustard this time stands a better chance of gaining final approval.

India imports about 60% of its edible oil - $19 billion worth last financial year. This level of import dependency undermines food security. For years, Indians have been consuming GM soybean oil as imports are sourced mostly from countries that depend on the genetically modified crop. Given these factors, mustard offers a solution if India's average yields, about one half to a third of the global average, improves.

Of course, GM mustard has again evoked vocal opposition from Swadeshi Jagran Manch and some farmers. Their apprehensions are misplaced. Safety assessment

methods for GM crops tend to converge globally. GoI representatives told a parliamentary committee in 2017 that Indian regulators had assessed Bt-cotton, Bt-brinjal and GM mustard, and found them to be safe as feed to animals. The fact is agriculture needs to be far more productive if farmers are to see a sustained rise in income. Indian Council of Agricultural Research (ICAR) conducted a study on the impact of Bt-cotton in Maharashtra between 2012 and 2015.

5. निम्नलिखित गद्यांशों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 15x2=30

क) सहजीवन कहते ही आँखों के सामने आता है एक सफर सुंदर रिश्तों का, एक–दूसरे के प्रति विश्वास का। इस सफर में सुख के शिखर पर एक साथ चढ़ना और दुख की खाई भी एक साथ पार करना है। इसमें अगर सहजीवन का साझीदार खुद ही चुना हो तो फिर वहाँ शिकायत के लिए कोई जगह ही नहीं। ऐसे सफर के सुख भरे दो–चार पल भी जीने की नई ऊँची उड़ान देते हैं और आया हुआ संकट रिश्तों को अधिक मजबूत करता है। इस लेख में एक ऐसे सहजीवन की बात है जिसमें वे दोनों ही पेशे से डॉक्टर होते हुए भी मन के किसी कोने में कला के प्रति आकर्षण से भरे थे। जब सुधीर ने डॉक्टरी की अपेक्षा चित्रकला को चुना तब भविष्य के यश–अपयश का विचार न करते हुए उन्होंने उनका साथ दिया। नौकरी, घर, बाल–बच्चे न केवल इनमें ही वह रमीं बल्कि हर कदम पर उनकी आलोचक भी बनीं। वह सक्रिय राजनीति में न होने के कारण ही या वह किसी दल के सक्रिय कार्यकर्ता न होने के कारण ही चित्रकार बन सके – ऐसा स्वाभिमानपूर्वक वह कह सकती हैं क्योंकि उन्होंने भी अपने प्रति उतना ही त्याग किया है। इस त्याग की कीमत चित्रकार बनकर उन्हें चुकानी थी क्योंकि त्याग करते समय उन्होंने एक बड़े चित्रकार होने का स्वप्न देखा था।

ख) हालाँकि विकासात्मक परिवर्तन आयु बढने के साथ–साथ चलता है लेकिन विकास में स्वयं आयु का कोई योगदान नहीं होता है। विकासात्मक परिवर्तनों का बुनियादी कारण आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारक होते हैं। आनुवंशिक कारण कोशिकीय परिवर्तनों (जैसे समग्र विकास, शरीर और दिमाग के हिस्सों के अनुपात में होने वाले परिवर्तनों) और दृष्टि एवं आहार संबंधी जरूरतों (जैसे कार्य के पहलुओं की परिपक्वता के लिए जिम्मेदार होते है)। विकास को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय कारकों में आहार एवं रोग जोखिम के साथ–साथ सामाजिक, भावनात्मक और संज्ञानात्मक अनुभव भी शामिल हो सकते हैं। हालाँकि, पर्यावरणीय कारकों की जाँच से यह भी पता चलता है कि युवा मनुष्य पर्यावरणीय अनुभवों की एक काफी व्यापक सीमा में भी जीवित रह सकते हैं।

आनुवंशिक और पर्यावरणीय कारक अक्सर एक–दूसरे को प्रभावित करते हैं जिसकी वजह से विकासात्मक परिवर्तन होता है। बच्चे के विकास के कुछ पहलू उनकी नमनीयता (प्लास्टिसिटी) के लिए या उस हद तक उल्लेखनीय हैं जिस हद तक विकास की दिशा का मार्गदर्शन पर्यावरणीय कारकों द्वारा किया जाता है और साथ ही साथ आनुवंशिक कारकों द्वारा शुरू किया जाता है। उदाहरण के लिए, ऐसा लगता है कि एलर्जी संबंधी प्रतिक्रियाओं का विकास अपेक्षाकृत रूप से प्रारंभिक जीवन के कुछ पर्यावरणीय कारकों के जोखिम की वजह से होता है और प्रारंभिक जोखिम से सुरक्षा करने से बच्चे में परिवर्ती एलर्जिक प्रतिक्रिया के दिखाई देने की कम संभावना रह जाती है। जब विकास के किसी पहलू पर प्रारंभिक अनुभव का बहुत ज्यादा असर पड़ता है तो कहा जाता है कि इसमें बहुत ज्यादा नमनीयता दिखाई देती है। जब आनुवंशिक स्वभाव विकास का प्राथमिक कारक होता है तो कहा जाता है कि नमनीयता कम है। नमनीयता में हार्मोन के साथ–साथ बहिर्जात कारकों (जैसे संक्रमण) का मार्गदर्शन शामिल हो सकता है।

*****